ज्ञापन

8 सूत्रीय मांगों को लेकर मुख्यमंत्री के नाम मुख्य कार्यपालन अधिकारी को सौंपा ज्ञापन

मनरेगा उपयंत्रियों की हड़ताल से पंचायतों का कामकाज ठप्प

ब्योहारी। मनरेगा अभियंतासंघ मध्यप्रदेश के तत्वावधान में ब्योहारी के सभी मनरेगा कर्मचारी (उपयंत्रीयों) ने सामूहिक रूप से अपनी 8 सूत्रीय मांगों को लेकर मुख्यमंत्री के नाम मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत ब्योहारी को ज्ञापन सौंपा गया है। ब्योहारी के मनरेगा कर्मचारियो ने जानकारी दी कि मनरेगा उपयंत्रीयों ने विगत कई वर्षो से विभिन्न संगठनों के बैनर तले अपनी मांगों को लेकर शासन प्रशासन को अवगत कराता रहा किन्तु हमारी मांगों को दर किनार किया गया, जिससे मनरेगा कर्मचारी (उपयंत्री) निरंतर शोषण का शिकार होता जा रहा है। मनरेगा उपयंत्रीयों को विभिन्न ग्राम पंचायतों में काम करना पड़ता है जिसमें अनेक प्रकार की मानसिक, समाजिक दबाव पूर्ण कार्य करने को बाध्य होना पड़ता है जिसकी सम्पूर्ण जबाबदेही भी उपयंत्रियों की मानी जाती है।

आठ सूत्रीय मांगो को लेकर सौंपा ज्ञापन- मनरेगा उपयंत्री संघ ब्योहारी द्वारा अपनी मांगो को लेकर जो ज्ञापन दिया गया है उसमे मुख्य रुप से संविदा परिश्रमिक की गणना नियुक्ति दिनांक की सेवा अवधि से समकक्ष सेवा अवधि वाले नियमित उपयंत्री के वेतन के समतुल्य करने एवं तदनुसार वार्षिक वेतन वृद्धि भी मिलनें के आदेश तत्काल जारी हो। मनरेगा उपयंत्री की मृत्यु होने पर आश्रितो को अनुकम्पा नियुक्ति मिलने के आदेश तत्काल जारी हो। मनरेगा उपयंत्रियो को किसी भी प्रकरण में पद से पृथक किये जाने के स्थान पर निलंबित किए जाने का आदेश तत्काल जारी करने। जिला या प्रदेश स्तर पर आर.ई.एस. एवं मनरेगा के उपयंत्रियों की संयुक्त वरिष्ठता सूची अनुसार सहायक यंत्री के प्रभार दिए जाने के आदेश जारी हो (अधिकांश जिलों में आर:ई.एस.के जूनियर उपयंत्रीयों को सहायक यंत्रीका प्रभार मिला हुआ है)। नियमित कर्मचारियो की भांति मनरेगा उपयंत्री हेतु उपादन (ग्रेजुएटी) भुगतान के आदेश तत्काल जारी करने एवं 1अगस्त 2023 के बाद मृत या सेवानिवृत हुए उपयंत्रियों को भी इसका लाभ देने के आदेश जारी करने।संविदा सेवा का नवीनीकरण एक वर्ष नहीं 5 वर्ष की सी.आर. के आधार पर हो ताकि वित्तीय वर्ष के आखरी में उपयंत्रियों का शोषण ना हो। मनरेगा उपयंत्रियों से केवल और केवल तकनिकी कार्य ही कराये जाये। चूकि मनरेगा माँग आधारित योजना है, इसे लक्ष्य आधारित योजना बनाकर उपयंत्रियों का शोषण बंद किया जाये और मनरेगा के उपयंत्रियो का भी अपना परिवार होता है जिसका पोषण उसकी जिम्मेदारी होती है जिसके लिए माह की प्रथम तारीख को वेतन मिल जाये, यह सुनिश्चित किये जाने की मांग की गयी है।

निराकरण नहीं होने तक हड़ताल में रहने की चेतावनी

मनरेगा कर्मचारियों का कहना है कि हम सभी लोग अपनी 8 सूत्रीय मांगो को लेकर मुख्यमंत्री के नाम सीईओ ब्योहारी को ज्ञापन सौंपते हुए कहा है कि जब तक हमारी इन सभी मांगों पर शासन द्वारा उचित निराकरण नहीं किया जाता तब तक हम लोग अवकाश पर रहेंगे किसी भी प्रकार से कोई कार्य नहीं करेंगे साथ ही जब तक हमारे प्रांतीय संघ का मर्गदर्शन नहीं मिलता हम काम पर नहीं लौटेंगे।

सेंट्रल बैंक गोहपारू मैनेजर की मनमानी एवं तानाशाही

गोहपारू। आए दिन आप सबको बैंक में भीड़ का सामना करना पड़ता है इसका जिम्मेदार और कोई नहीं बल्कि बैंक का मैनेजर होता है, यही हाल सेंट्रल बैंक गोहपारू के मैनेजर की है। मैनेजर पैसा लेकर कंपनी से साठ गाठ करके ऐसे व्यक्ति को ग्राहक सेवा केंद्र (कियोस्क बैंकिंग) खोलने की अनुमति देता है जो उनके चहेते होते हैं और कभी भी निर्धारित लोकेशन में काम नहीं करते। ग्राहक सेवा केंद्र का उद्देश्य होता है की बैंक के ऐसे खाताधारक जो बैंक से दूर निवासरत हैं उन्हें उनके नजदीक ग्राहक सेवा केंद्रों में सेवा उपलब्ध करवाए जबकि इसके उलट बैंक मैनेजर के मनमानी एवं तानाशाही के कारण अपने मन से कियोस्क संचालक कभी भी लोकेशन में रहकर ग्राहकों को सुविधा उपलब्ध नहीं करवाते। लगातार मिल रही शिकायतों को ध्यान में रखते हुए चुहीरी के भाजपा मंडल अध्यक्ष राजीव तिवारी ने आज बैंक में जाकर मैनेजर से लिखित में अवगत कराया एवं मांग किया की भविष्य में कियोस्क का संचालन योग्य ,स्थानीय युवाओं को दिया जाए। पूर्व में संचालित समस्त कियोस्क की जानकारी 15 दिवस के अंदर उपलब्ध करवाने का आग्रह भी किया गया है ।अब देखते हैं की भविष्य में ऐसे कियोस्कसंचालक तानाशाह बैंक मैनेजर के आश्रय में फूलते-फलते रहेंगे या सुधार भी होगी।

गणेशोत्सव झांकी-पंडाल के लिए लेना होगा अस्थाई कनेक्शन

शहडोल। गणेशोत्सव त्यौहार तथा अन्य त्यौहारों में पंडालों को अस्थायी कनेक्शन देने के लिए विद्युत वितरण कंपनियों ने माकूल प्रबंध किए हैं। कार्यपालन अभियंता विद्युत मंडल शहडोल जन्मेजय सिंह ने धार्मिक उत्सव समितियों और बिजली उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे गणेशोत्सव के दौरान धार्मिक पण्डालों एवं झाँकियों में बिजली साज-सज्जा, नियमानुसार ऑनलाइन अस्थाई कनेक्शन लेकर ही करें।

अस्थाई कनेक्शन लेने के लिये क्या करें- बिजली कंपनी के ऐप स्मार्ट बिजली पर जाकर निर्धारित प्रपत्र में सही, संयोजित विद्युत भार को दर्शाते हुए अस्थायी कनेक्शन के लिये ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत करें। लायसेंसी विद्युत ठेकेदार की टेस्ट रिपोर्ट आवेदन में संलग्न करें एवं वायरिंग इत्यादि लायसेंसधारी विद्युत ठेकेदार से ही करवाएं। आवेदन में दर्शाए अनुसार विद्युत भार के अनुरूप सुरक्षा निधि एवं अनुमानित विद्युत उपभोग की राशि अग्रिम जमा कराकर बिजली कंपनी से अस्थाई कनेक्शन की रसीद अवश्य लें। रसीद की लेमीनेटेड प्रति अनिवार्य रूप से पंडाल/झाँकी के सामने लगाएं। आवेदित विद्युत भार से अधिक भार का उपयोग विद्युत साज-सज्जा के लिए न करें। विद्युत कनेक्शन मीटरीकृत होगा एवं विद्युत देयक की बिलिंग नियमानुसार अस्थायी कनेक्शन के लिये लागू गैर घरेलू दर पर की जाएगी। झांकियों के निर्माण एवं विद्युत साज-सज्जा में सुरक्षा नियमों का अनिवार्य रूप से पालन करें। अनधिकृत तरीके से विद्युत का उपयोग न करें। अधिक जानकारी के लिए टोल फ्री नंबर 1912 पर भी कॉल कर सकते हैं।

अस्थाई कनेक्शन न लेने से होने वाले नुकसान- अधिक भार से ट्रांसफार्मर के जलने की संभावना तथा दुर्घटना की आशंका। पारेषण एव वितरण प्रणाली पर विपरीत असर होने से अंधेरे की संभावना। अनधिकृत विद्युत उपयोग करने पर इलेक्ट्रिसिटी एक्ट 2003 के तहत उपयोगकर्ता एवं जिस विद्युत ठेकेदार से कार्य कराया गया है, उनके विरूद्ध वैधानिक कार्यवाही।

कांग्रेस द्वारा मनाई गई भारत रत्न राजीव गांधी की जयंती

शहडोल। जिला कांग्रेस कमेटी शहडोल के नव निर्वाचित जिलाअध्यक्ष अजय अवस्थी के नेतृत्व में जिला कांग्रेस द्वारा जिला कांग्रेस भवन शहडोल मे भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी की जयंती मनाई गई। सर्वप्रथम स्व. राजीव गांधी की तस्वीर पर माल्यार्पण कर धूप दीप प्रज्वलित किया गया, तत्पश्चात स्व. राजीव गांधी के द्वारा किए गए जन हितार्थ कार्यों से अवगत कराया गया। जिलाध्यक्ष अजय अवस्थी ने कहा कि,कुछ लोग ज़मीन पर राज करते हैं और कुछ लोग दिलों पर, स्वर्गीय राजीव गांधी एक ऐसी शख़्सियत थे, जिन्होंने ज़मीन पर ही नहीं, बल्कि दिलों पर भी हुकूमत की। वे भले ही आज इस दुनिया में नहीं हैं, लेकिन हमारे दिलों में आज भी ज़िंदा हैं। राजीव गांधी ने उन्नीसवीं सदी में इक्कीसवीं सदी के भारत का सपना देखा था। स्वभाव से गंभीर लेकिन आधुनिक सोच और निर्णय लेने की अद्भुत क्षमता वाले राजीव गांधी देश को दुनिया की उच्च तकनीकों से पूर्ण करना चाहते थे। वे बार-बार कहते थे कि भारत की एकता और अखंडता को बनाए रखने के साथ ही उनका अन्य बड़ा मक़सद इक्कीसवीं सदी के भारत का निर्माण है। अपने इसी सपने को साकार करने के लिए उन्होंने देश में कई क्षेत्रों में नई पहल की, जिनमें संचार क्रांति और कम्प्यूटर क्रांति, शिक्षा का प्रसार,18 साल के युवाओं को मताधिकार, पंचायती राज आदि शामिल हैं।

पूर्व जिलाध्यक्ष राकेश कटारे ने कहा कि,राजीव जी देश की कम्प्यूटर क्रांति के जनक के रूप में भी जाने जाते हैं। वे युवाओं के लोकप्रिय नेता थे। उनका भाषण सुनने के लिए लोग घंटों इंतज़ार किया करते थे। उन्होंने अपने प्रधानमंत्री काल में कई ऐसे महत्वपूर्ण फ़ैसले लिए जिसका असर देश के विकास में देखने को मिल रहा है। आज हर हाथ में दिखने वाला मोबाइल स्व. राजीव जी की ही देन है। देश के पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने अपनी दूरदर्शी नीतियों से दूरसंचार क्रांति की शुरुआत कर भारत को कंप्यूटर युग से परिचित कराया. राजीव गांधी के आधुनिक विचारों की छाप उनके सुधारवादी कार्यों में देखी जा सकती है। आधुनिक सोच और अद्भुत निर्णय क्षमता वाले भारत रत्न स्व. राजीव गांधी के विचार आज भी हम सभी का मार्गदर्शन करते हैं। पूर्व जिलाध्यक्ष नीरज द्विवेदी एवं पूर्व नगरपालिका उपाध्यक्ष कुलदीप निगम ने कहा कि, राजीव गांधी भारत के एक महान सपूत थे जिन्होंने लाखों भारतीयों में आशा जगाई। उनके दूरदर्शी और साहसी हस्तक्षेप भारत को 21वीं सदी की चुनौतियों और अवसरों के लिए तैयार करने में सहायक थे। इनमें मताधिकार की आयु घटाकर 18 वर्ष करना, पंचायती राज को मजबूत करना, दूरसंचार और आईटी क्रांति का नेतृत्व करना, कम्प्यूटरीकरण कार्यक्रम लागू करना, निरंतर शांति समझौते करना, एक सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम शुरू करना और समावेशी शिक्षा पर केंद्रित एक नई शिक्षा नीति लाना शामिल हैं। शिक्षक प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष राम नरेश तिवारी, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष नरेन्द्र मरावी, जनपद सदस्य विक्रम सिंह, वरिष्ठ कांग्रेसी दिनेश अग्रवाल, एडवोकेट अनुज मिश्रा,अनूप सिंह ने भी अपने अपने विचार व्यक्त किए। तदुपरांत जिला कांग्रेस कमेटी शहडोल के नव नियुक्त जिलाध्यक्ष अजय अवस्थी का वरिष्ठ कांग्रेसियों द्वारा माल्यार्पण एवं शाल,श्रीफल देकर स्वागत किया गया, अजय अवस्थी ने सर्वप्रथम शीर्ष नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि, शीर्ष नेतृत्व ने मुझ पर जो विश्वास जताया है मै उस पर खरा उतरने का पूर्ण प्रयत्न करुंगा। जिले के समस्त वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं से मार्गदर्शन, उनकी राय एवं उनका अनुभव प्राप्त करना चाहुंगा जिससे की आगामी समय मे संगठन को उस मुकाम तक पहुंचाया जा सके जिसका सपना राहुल गांधी ने देखा है ।कार्यक्रम का संचालन पीयूष शुक्ला एवं शिव शंकर शुक्ला ने किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिलाध्यक्ष अजय अवस्थी, पूर्व जिलाध्यक्ष राकेश कटारे, पूर्व जिलाध्यक्ष नीरज द्विवेदी,वरिष्ठ कांग्रेसी रविंद्र तिवारी,पूर्व नगरपालिका उपाध्यक्ष कुलदीप निगम, पीयूष शुक्ला, पूर्व पार्षद प्रभात पाण्डेय,एडवोकेट अनुज मिश्रा,राजीव शर्मा,एनएसयूआई प्रदेश महासचिव आशीष तिवारी,एनएसयूआई जिलाध्यक्ष सौरभ तिवारी,शिव शंकर शुक्ला, अनूप सिंह,जनपद सदस्य विक्रम सिंह, जनपद सदस्य अभिषेक द्विवेदी, वरिष्ठ कांग्रेसी हरिमोहन तिवारी,दिनेश अग्रवाल,संजय पटेल, रवि शेखर राव, प्रीतम दास सोनी, जयकरण सिंह, दलप्रताप सिंह, प्रेम धारी सिंह, विवेक तिवारी, ललन सिंह, इकबाल अली, गोविंद साहू, महफूज अली, रमेश अग्रवाल, शरद प्रकाश तिवारी, फूल सिंह, लाल मणि जयसवाल,अजय सनपाल आदि कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

सदस्य बाल संरक्षण आयोग ने विद्यालयों का किया निरीक्षण

शहडोल। म.प्र.बाल अधिकार संरक्षण आयोग की सदस्य मेघा पवार ने संभागीय मुख्यालय शहडोल के जेनीस एंजल्स प्ले स्कूल हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी शहडोल एवं सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पांडवनगर का निरीक्षण किया।

खेल गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों को दें शिक्षा व संस्कार

सदस्य बाल संरक्षण आयोग मेघा पवार ने कहा कि शिक्षक विद्यालयों में आने वाले विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम के साथ-साथ खेल गतिविधियो का आयोजन कर शिक्षा के साथ संस्कारों की शिक्षा भी दें। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी सोशल मीडिया के उपयोग से बचें एवं मोबाइल का उपयोग शिक्षा एवं आईटी के ज्ञान के लिए सकारात्मक ढंग से करें, अनावश्यक मोबाइल के उपयोग से बचे। उन्होंने विद्यार्थियों को पौष्टिक आहार लेने की भी समझाईश दी। उन्होंने बच्चों के लिए गुड टच, बैड टच से संबंधित कोमल शॉर्ट फिल्म दिखाए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने विद्यालयों की विभिन्न गतिविधियों, स्कालरशिप, स्कुल बस, स्कूल मान्यता, जैसे अन्य विषयों की जानकारी ली तथा आवश्यक निर्देश विद्यालय के संचालको को दिए। उन्होंने सोशल मीडिया का सावधानीपूर्वक उपयोग करनें, अनावश्यक गेम के लिए उपयोग ना करने और प्रतिदिन समाचार पत्रो के माध्यम से देश विदेश की जानकारी लेने के लिए शपथ भी दिलाई गयी तथा उमंग हेल्पलाइन नंबर 14425 चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 के बारे में भी विस्तृत जानकारी दी गई। इस अवसर पर सहायक संचालक महिला बाल विकास संजीत भगत सहित विद्यालय के संचालक एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

शिक्षा के गुणात्मक सुधार हेतु प्रयास करें : धुर्वे

संयुक्त संचालक शिक्षा कार्यालय में बैठक

शहडोल। संचालनालय लोक शिक्षण मध्य प्रदेश भोपाल के निर्देशानुसार शिक्षा के गुणात्मक, अध्ययनरत नौनिहालों को सरल व सुगम शिक्षा उपलब्ध कराने नवाचार के संबंध में संबंधित कर्मचारियो को आवश्यक दिशा निर्देश देने, के लिएआज ििदनांक 20 अगस्त 2025 को संयुक्त संचालक शिक्षा कार्यालय के सभागार में दोपहर 12:00 बजे से संभाग के उपयुक्त जनजाति विभाग जेपी यादव के साथ ही संभाग के सभी जिला शिक्षा अधिकारी जिला परियोजना सवंवयक विकासखंड शिक्षा अधिकारी एवं बीआरसीसी आदि की बैठक संयुक संचालक शिक्षा उमेश कुमार धुर्वे की अध्यक्षता में संपन्न हुई।

बैठक को संबोधित करते हुए श्री धुर्वे ने कहा कि मध्य प्रदेश शासन स्कूल शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार शिक्षा के गुणात्मक सुधार एवं अध्यनरत नौनिहाल को सरल एवं सहज शिक्षा उपलब्ध कराने में आने वाली तमाम बाधाओ को दूर करने हेतु हम सब मिलकर प्रयास करें ताकि विभाग के मंशानुरूप हम अपने लक्ष्य की ओर अनवरत आगे बढ़ते रहे। इस दौरान उपायुक्त जनजाति विभाग श्री यादव ने भी विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया। बैठक में निर्धारित 14 बिंदुओं जैसे अतिथि शिक्षक, पुस्तक वितरण, सीएम हेल्पलाइन, निशुल्क साइकिल वितरण, लंबित न्यायालीन प्रकरण, नामांकन, एक पेड़ मां के नाम, शिक्षक दिवस, शिक्षकों की परिवीक्षा अवधि, क्रीड़ा अनुसंधान एवं आयुक्त समीक्षा बैठक आदि आदि पर विस्तृत चर्चा उपरांत उपस्थित जनों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया।

अधिकारों की रक्षा और सुरक्षा के लिए पुलिस प्रतिबद्ध

नवभारत कटनी। पुलिस कंट्रोल रूम में मंगलवार को पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा की मौजूदगी में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक ने आमजन की समस्याओं को गंभीरता और संवेदनशीलता से सुना। शिकायतों के निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए। पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट निर्देश दिए कि प्रत्येक शिकायत का निराकरण वैधानिक प्रक्रिया के अंतर्गत अधिकतम सात दिवस में किया जाएगा। जनता का विश्वास सिर्फ समयबद्ध और पारदर्शी कार्रवाई से ही मजबूत होगा। जनसुनवाई के दौरान प्राप्त नई शिकायतों के साथ-साथ पूर्व में दर्ज प्रकरणों की प्रगति की भी समीक्षा की गई। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि किसी भी शिकायत के निराकरण में अनावश्यक देरी नहीं की जाए। शिकायतकर्ता को समय-समय पर की गई कार्रवाई की जानकारी उपलब्ध कराई जाए।

पुलिस अधीक्षक ने यह भी आश्वस्त किया कि जनसुनवाई की यह प्रक्रिया नियमित रूप से जारी रहेगी, जिससे नागरिकों को समय पर न्याय और राहत मिल सके। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक ने जिलेवासियों से कहा है कि वे अपनी समस्याएं बिना किसी भय, संकोच के जनसुनवाई में प्रस्तुत करें।

प्रशिक्षण

तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ

जनजातीय समुदाय को सशक्त बनाने आदि कर्मयोगी अभियान में सहभागी बने

शहडोल। भारत सरकार के निर्देशानुसार शहडोल जिले के चिन्हित ग्रामों में आदि कर्मयोगी अभियान के क्रियान्वयन हेतु संभागीय मुख्यालय शहडोल के निजी होटल में तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ उपायुक्त जनजातीय कार्य विभाग जेपी यादव, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सौम्या आनंद, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व अरविंद शाह एवं सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग आनंद राय सिंहा ने भगवान बिरसा मुंडा के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम को सम्बोंधित करते हुए उपायुक्त जनजातीय कार्य विभाग जे.पी. यादव ने कहा कि आदि कर्मयोगी अभियान का उददेश्य शहडोल जिले के जनजातीय समुदाय के लोगो को केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित योजनाओ का लाभ देते हुए सशक्त और आत्मनिर्भर बनाना है।

उन्होंने कहा कि आदि कर्मयोगी अभियान में जिले के अधिकारी, कर्मचारी, स्वयसेवी संस्थान के लोग बढ़ चढकर सहभागिता निभाते हुए जनजातीय समुदाय के लोगो को सशक्त बनाने का कार्य करें। उन्होंने कहा कि जिले के अंतिम छोर के हर पात्र व्यक्ति को योजनाओ का लाभ दिलाना तथा उनके सामाजिक एवं आर्थिक विकास में सकारात्मक परिवर्तन लाना ही अभियान का उददेश्य है। जनजातीय कार्य विभाग द्वारा यह पहल ग्राम स्तर पर योजनाओं और सेवाओं की बेहतर पहुँच, जवाबदेही और नवाचार सुनिश्चित करने के लिए शुरू की गई है, शासन द्वारा जनजातियों के लिए चिन्हित सभी योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ दिया जाएगा।

प्रशिक्षण कार्यक्रम को सम्बोंधित करते हुए मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सौम्या आनंद ने कहा कि तीन दिवसीय प्रशिक्षण में आदि कर्मयोगी के क्रियान्वयन हेतु हर एक चीजो को बरीकी से सीखते हुए अपने दायित्वो को ईमानदारी के साथ करेंगे। उन्होंने कहा कि जनजातीय समुदाय के लोग शरीरिक रूप से अत्यंत मजबूत होते है, वे विभिन्न खेल गतिविधियो में हमेशा अग्रिण रहते है, जनजातीय समुदाय के लोगो को शिक्षा के लिए प्रेरित करते हुए उन्हें आगे बढाने का कार्य करना है। जनजातीय समुदाय के सर्वांगीण विकास में आदि कर्मयोगी अभियान की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि जनजातीय समुदाय को आगे लाने के लिए उनके रूचि के अनुसार भी कार्य करना होगा जिससे वे हर गतिविधियो में उत्सुकता के साथ सहभागी बन सकें।

प्रशिक्षण कार्यक्रम को सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग आनंद राय सिन्हा ने पीएम जनमन, धरती आबा एवं आदि कर्मयोगी अभियान के बारे में विस्तृत जानकारियो से भी अवगत कराया। जिला मास्टर ट्रेनर्स डीसी मिश्रा द्वारा ब्लाक स्तरीय मास्टर ट्रेनर्सों को आदि कर्मयोगी के क्रियान्वयन हेतु प्रशिक्षण दिया गया। इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत मुद्रिका सिंह सहित ब्लाक मास्टर ट्रेनर्स उपस्थित रहे।